ट्रामजात्रा उत्सव

कोलकाता अपने सुप्रसिद्ध ट्राम के 150 वर्ष पूरा होने और इस विश्वास को बनाए रखने के लिये एक कार्यक्रम का आयोजन करेगा कि परिवहन का यह गैर-प्रदूषणकारी साधन फरवरी 2023 में पूरी तरह विलुप्त नहीं होगा।

ट्रामजात्रा उत्सव:

- **इतिहास:**
  - ट्रामजात्रा (ट्राम की यात्रा) एक चलता-फिरता ट्राम कार्निवाल है जिसे **वर्ष 1996 में मेलबर्न और कोलकाता के उत्साही लोगों** द्वारा संयुक्त रूप से शुरू किया गया था।
  - वर्तमान समय में **कोलकाता एकमात्र भारतीय शहर है जहाँ ट्राम अभी भी चलती है, कोलकाता में इसके लगभग दो दर्जन से अधिक मार्ग थे।**
    - वर्तमान में चलित मार्गों की संख्या घटकर केवल 2 रह गई है।
    - इसलिये वर्ष 2023 का आयोजन ट्राम को संरक्षित करने के लिये पश्चिम बंगाल सरकार को प्रभावित करने के संदर्भ में अधिक प्रयास होगा।
- **परिचय:**
  - ट्रामजात्रा अनिवार्य रूप से **ट्रामियों, कलाकारों, पर्यावरणविदों और ट्राम-प्रेमी समुदायों का एक अंतर्राष्ट्रीय सहयोग है।**
- **थीम 2022**: विरासत, स्वच्छ वायु और हरित गतिशीलता
- **उद्देश्य:**
  - इसके तहत हरित गतिशीलता और कोलकाता की ट्राम विरासत पर ध्यान देने के साथ जलवायु परिवर्तन, वायु प्रदूषण और सतत विकास उद्देश्यों **के बारे में लोगों, विशेष रूप से युवा पीढ़ी को शिक्षित करना है।**

स्रोत: द हिंदू

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/tramjatra-event